जोधपुर में बरसाती नाले में कार बही, तीन की मौत

पानी का बहाव इतना तेज था कि कार सवारों को बचने का अवसर नहीं मिला

जोधपुर, 21 जून (कासं)। जोधपुर में शनिवार को बरसात के दौरान नाले में पानी के तेज बहाव में कार बह गई। कार सवार तीन जनों की मौत हो गई। पानी का बहाव इतना तेज था कि कार सवारों को बचने का अवसर तक नहीं मिला। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार से शव बाहर निकाले।

पुलिस ने बताया कि प्रताप नगर, सूरसागर रोड पर स्थित डऊकिया हॉस्पिटल के पीछे शांतिनाथ नगर में रहने वाले हरिप्रकाश भंडारी अपने (माहेश्वरी) बेटे के दादा ससुर संपत लाहोटी व दादी सास उर्मिला देवी लाहोटी तथा एक अन्य रिश्तेदार महिला सूरज मानधना के साथ दईजर क्षेत्र स्थित राधारानी मंदिर दर्शन करने जा रहे थे। लाहोटी दंपती अपने दोहिते के जन्मदिन पर सूरत से जोधपुर आए हुए थे।

■ दईजर क्षेत्र में ओटीसी के निकट आटिया नाला पुलिया की रपट पर पानी का बहाव तेज था। वहाँ मौजूद ग्रामीणों ने कहा भी था कि पानी का बहाव तेज है, थोड़ी देर बाद निकल जाना, पर, कार वालों ने उनकी बात पर ध्यान नहीं दिया और कार आगे बढ़ा दी।

दईजर क्षेत्र में ओटीसी के निकट आटिया नाला पुलिया की रपट पर पानी बह रहा था। पानी तेज बहाव से बह रहा था। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने कहा भी था कि पानी का बहाव तेज है, थोड़ी देर बाद निकल जाना। मगर उन्होंने ग्रामीणों की बात पर ध्यान नहीं दिया और कार आगे बढ़ा दी। और देखते ही देखते यह हादसा हो गया। इस हादसे में प्लाइवुड कारोबारी हरीप्रकाश भंडारी (58) और रिश्तेदार महिला उर्मिलादेवी लाहोटी (72) की मौत हो गई, और संपत लाहोटी तेज बहाव में बह गए। स्थानीय ग्रामीणों ने बुजुर्ग महिला सूरज मानधना (70) को बचा लिया। संपत लाहोटी का शव बाद में मिल गया।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। सूचना पर एसडीआरएफ और गोताखोर मालवीय बंधुओं की टीमें भी मौके पर पहुंची और बचाव कार्य में जुट गईं। प्रारंभ में बारिश के कारण नाले में तेज बहाव होने से बचाव कार्य में कठिनाई आई। बाद में शाम को संपत लाहोटी का शव भी मिल गया। जिस जगह पर हादसा हुआ वो सड़क जोधपुर से ओसियां की तरफ जाती है। यही पर दईजर के समीप आटिया नाला है। हादसे के बाद यहां पानी जमा हो गया था। इससे संभवतया कार चालक पुलिया और सड़क का अंदाजा नहीं लगा पाया। इसी दौरान यह हादसा हो गया। एमजीएच मोर्चरी के बाहर एकत्रित हुए माहेश्वरी समाज के लोगों से पता चला कि हरिप्रकाश भंडारी ने शनिवार सुबह सिवांची गेट स्थित महेश स्कूल परिसर में महेश शिक्षण संस्थान के सामुहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया था। इसके बाद वे वापस घर पहुंचे और रिश्तेदारों के साथ एकादशी पर दईजर क्षेत्र में गोशाला और राधा-रानी मंदिर दर्शन करने निकले थे। भंडारी का जालोरी गेट पर प्लाईवुड का शोरुम है।

देश में करोना से अब तक 121 की मौत

नयी दिल्ली, 20 जून। देश में पिछले कुछ दिनों से करोना संक्रमण के सक्रिय मामलों में कमी दर्ज की गयी है और शनिवार को इस वायरस से उबरने वालों की कुल संख्या 19453 पहुंच गयी जबकि कुल सक्रिय मामलों का आंकड़ा घटकर 5012 रह गया।

पिछले 24 घंटों के दौरान करोना संक्रमण से राजस्थान के एक और मरीज की मौत होने के साथ देश में मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 121 हो गया। गौरतलब है कि 22 मई को देश में करोना के सिर्फ 257 मामले सक्रिय थे। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से आज जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान करोना संक्रमण के मामलों में 596 की कमी दर्ज की गयी। दूसरी ओर इस वायरस के संक्रमण से 1197 मरीज स्वस्थ हुए हैं। इस जानलेवा वायरस के संक्रमण एक और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 121 पहुंच गया। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार संक्रमण के मामलों में दक्षिण भारत का केरल राज्य सबसे अधिक प्रभावित हुआ है।

ईरान से 827 भारतीय सुरक्षित स्वदेश लौटे

भारत सरकार ने ईरान में फंसे नेपाल व श्रीलंका के नागरिकों को भी निकालने का फैसला किया

नयी दिल्ली, 21 जून। ईरान और इज़रायल के बीच बढ़ते सैन्य टकराव के बीच भारत सरकार की ओर से शुरू किए गए ऑपरेशन सिंधु के तहत अब तक 827 भारतीय नागरिकों को ईरान से सुरक्षित स्वदेश लाया गया है। यह जानकारी विदेश मंत्रालय ने शनिवार को दी। विदेश मंत्रालय ने ऑपरेशन की प्रगति को साझा करते हुए, बताया कि शुक्रवार देर रात और शनिवार तड़के कई विशेष उड़ानों से भारतीय नागरिकों को नई दिल्ली लाया गया। इनमें विद्यार्थियों, धार्मिक यात्रियों और अन्य भारतीय नागरिक शामिल रहे।

■ विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भारतीयों की सुरक्षित वापसी के लिए ईरान सरकार को धन्यवाद दिया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि 20 जून की रात 11:30 बजे एक चार्टर्ड फ्लाइट से 290 भारतीय नागरिक नई दिल्ली पहुंचे। यह उड़ान ईरान से रवाना हुई थी। इसके बाद 21 जून की सुबह 3 बजे एक और फ्लाइट अश्गाबात, तुर्कमेनिस्तान से नई दिल्ली पहुंची, जिसमें ईरान से निकाले गए 227 भारतीय नागरिक सवार थे। 21 जून की शाम 4.30 बजे ईरान के मशहद से उड़ान भरने वाली एक अन्य फ्लाइट भी 310 भारतीय नागरिकों को लेकर दिल्ली पहुंची। इस तरह अब तक 827 नागरिकों को सफलतापूर्वक वापस लाया जा चुका है।

प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने ईरान सरकार को निकासी प्रक्रिया में सहयोग के लिए धन्यवाद देते हुए कहा, भारत, ईरान सरकार के सहयोग के लिए आभारी है, जिन्होंने इस पूरे अभियान में सुविधा उपलब्ध कराई।

गौरतलब है कि इज़रायल और ईरान के बीच छिड़े युद्ध के बाद ईरान से अपने नागरिकों को सुरक्षित निकालने के लिए भारत ने ऑपरेशन आपरेशन सिन्धु शुरू किया है।

भारत ने नेपाल और श्रीलंका की सरकारों के अनुरोध पर, आपरेशन सिंधु के तहत ईरान में फंसे भारतीयों के अलावा नेपाली एवं श्रीलंकाई नागरिकों को भी निकालने का फैसला किया है।

तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया के माध्यम से यह जानकारी दी कि भारतीय नागरिकों के साथ साथ नेपाल और श्रीलंका के नागरिकों के पंजीकरण शुरू कर दिये हैं।

नेपाल की विदेश मंत्री डॉ आरजू राणा देउबा ने एक्स पर पोस्ट के माध्यम से भारत एवं विदेश मंत्री एस जयशंकर के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने लिखा,ईरान से नेपाली नागरिकों को निकालने में मदद करने में भारत की त्वरित सहायता के लिए धन्यवाद डॉ जयशंकर। भारत का सहयोग नेपाल-भारत संबंधों की ताकत को प्रतिबिंबित करता है।

पाकिस्तान ने नोबल पुरस्कार के लिए ट्रंप को नॉमिनेट किया

पाक सरकार ने अधिकृत बयान जारी कर कहा कि ट्रंप ने भारत -पाक के बीच बड़े युद्ध को रुकवाया है

इस्लामाबाद, 21 जून। पड़ोसी देश पाकिस्तान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प को 2026 के नोबल पीस प्राइज के लिए नॉमिनेट किया है। पाकिस्तान सरकार ने आधिकारिक बयान जारी कर इस बात की पुष्टि की है। बयान के अनुसार भारत पाक युद्ध के दौरान ट्रम्प ने दोनों देशों में मध्यस्थता कर एक बड़े युद्ध को टालने में मदद की है। पिछले काफी समय से इस बात के कयास लगाए जा रहे थे कि पाकिस्तान ट्रम्प को नॉमिनेट करने वाला है। जिसके बाद अब आखिरकार पाकिस्तान सरकार ने एक्स पर पोस्ट शेयर कर इसकी पुष्टि कर दी है।

■ पाक सरकार ने एक्स पर पोस्ट शेयर कर यह जानकारी दी।

■ इधर ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा, "मैं चाहे जो करूं मुझे नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिलेगा।"

पाकिस्तानी सरकार ने एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए इस नामांकन की जानकारी दी है। उन्होंने लिखा, भारत-पाक युद्ध के दौरान ट्रम्प के निर्णायक कूटनीतिक हस्तक्षेप और महत्वपूर्ण नेतृत्व को मान्यता देते हुए पाकिस्तान सरकार ने उन्हें 2026 के नोबल शांति पुरस्कार के लिए औपचारिक रूप से नामित करने का फैसला लिया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने दावा किया है कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध टालने, रूस-यूक्रेन और ईरान-इजराइल जैसे विवादों को सुलझाने में अहम भूमिका निभाई, लेकिन उन्हें नोबल पीस प्राइज़ नहीं मिलेगा।

ट्रम्प ने शुक्रवार को 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट करते हुए लिखा था, मैं जो भी कर लूं, नोबल शांति पुरस्कार नहीं मिलेगा। मैंने विदेश मंत्री मार्क रुबियो के साथ मिलकर कांगो-रवांडा युद्ध को रोकने के लिए शांति समझौता कराया है। यह दशकों से चल रहा खूनी संघर्ष था।

ईरानी सेना के ड्रोन प्रमुख अमीनपुर जौदकी मारे गए?

यरुशलम, 21 जून। इज़रायली सशस्त्र बलों (आईडीएफ) ने इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के ड्रोन प्रमुख अमीनपुर जौदकी और ईरानी कुद्स फोर्स के फिलिस्तीन कोर कमांडर सईद इज़ादी के मारे जाने का दावा किया है।

■ इज़रायल की सेना ने यह दावा किया है पर अभी ईरान ने इसकी पुष्टि नहीं की है

इज़रायल के रक्षामंत्री इजरायल काट्ज ने शनिवार को यह जानकारी दी। कट्ज ने बताया कि इज़ादी की मौत मध्य तेहरान में एक अपार्टमेंट पर हमले में हुई। वह सात अक्टूबर के हमले से पहले हमास को वित्तपोषित करने और हथियार देने के लिए जिम्मेदार थे। उन्होंने इस ऑपरेशन को इज़राइली खुफिया एजेंसी और वायु सेना के लिए एक बड़ी उपलब्धि बतायी। उन्होंने कहा,इज़राइल का लंबा हाथ उसके सभी दुश्मनों तक पहुँच जाएगा। इसके अलावा इज़राइली वायु सेना ने आईआरजीसी वायु सेना के दूसरे मानव रहित हवाई वाहन(यूएवी) ब्रिगेड के कमांडर जौदकी को भी मार गिराया।

आईडीएफ ने एक बयान में कहा,अपनी भूमिका के तहत जौदकी ने दक्षिण-पश्चिमी ईरान के अहवाज़ क्षेत्र से इजरायली क्षेत्र के खिलाफ सैकड़ों ड्रोन हमलों को अंजाम दिया।

बयान में कहा गया, आईआरजीसी वायु सेना के यूएवी मुख्यालय के कमांडर ताहिर पौर के 13 जून 2025 को इजरायली हमले में मारे जाने के बाद जौदकी ने मुख्यालय के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

सोनम रघुवंशी 13 दिन की न्यायिक हिरासत में

इंदौर, 21 जून। राजा रघुवंशी मर्डर केस में शनिवार को शिलांग कोर्ट ने सोनम रघुवंशी और राज कुशवाहा को 13 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में सोनम और उसका प्रेमी राज ही मुख्य आरोपी है। इन दोनों को न्यायिक हिरासत में भेजने का मतलब है कि पुलिस ने अब इनकी कस्टडी की मांग नहीं की है। इस सनसनीखेज हत्या के मामले में गिरफ्तार तीन और आरोपी आकाश, विशाल और आनंद को पहले ही न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है।

■ शिलांग कोर्ट ने सोनम के साथ उसके कथित प्रेमी राज कुशवाह को भी राजा रघुवंशी केस में 13 दिन की हिरासत में भेजा है

■ मेघालय पुलिस ने बताया कि जब सोनम का उसके कथित प्रेमी राज कुशवाह से आमना -सामना कराया गया तो सोनम ने अपने पति राजा रघुवंशी की हत्या का जुर्म कबूल लिया।

मालूम हो कि राजा रघुवंशी हत्याकांड में गिरफ्तार किए गए पांचों आरोपियों की पुलिस रिमांड पूरी होने के बाद सभी को गुरुवार को कोर्ट में पेश किया गया था। इस दौरान पुलिस ने कोर्ट से आरोपियों की रिमांड बढ़ाने की मांग की। इसके बाद, कोर्ट ने सोनम और राज की रिमांड दो दिन के लिए बढ़ा दी।

वहीं, अन्य तीन आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजने के आदेश दिए। कोर्ट में पेशी से पहले सोनम ने पति राजा रघुवंशी की मौत में अपनी भूमिका को स्वीकार कर लिया था।

मेघालय पुलिस ने जब उसके प्रेमी राज कुशवाह से उसका आमना-सामना कराकर पूछताछ की, तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। राजा रघुवंशी हत्याकांड में भाड़े के तीनों शूटर्स के बाद अब सोनम और राज को न्यायिक हिरासत में भेजने का मतलब है कि पुलिस को इन आरोपियों से अभी जितनी पूछताछ करनी थी, वो लगभग पूरी हो चुकी है। अब पुलिस मामले में चार्जशीट बनाने की कवायद में जुटेगी।

क्या वाकई में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वैश्विक साख को नुकसान पहुँचा है।

पर्यवेक्षकों ने पिछले कुछ महीनों में हुई कई रणनीतिक गलतियों की ओर इशारा किया है, जिनमें अमेरिका ओर इज़रायल की ओर भारत का बढ़ता झुकाव शामिल है, जिसे पश्चिम एशिया की जटिल राजनीति में प्रतिकूल माना जा रहा है। मध्य-पूर्व में रहे एक पूर्व राजदूत ने कहा, "वॉशिंगटन और तेल अवीव के बहुत करीब जाकर भारत ने इस क्षेत्र के अपने कई पारंपरिक सहयोगियों का विश्वास खो दिया है। यह नीति प्रतीकात्मकता ज्यादा और रणनीतिक कम लगती है, जो अमेरिकी हितों को तो साध रही है, पर भारत की दीर्घकालिक भू-राजनीतिक स्थिति को नज़रअंदाज कर रही है।"

विशेषज्ञों का मानना है कि भारत द्वारा अमेरिका के पक्ष में लिए गए निर्णय, खासकर पश्चिम एशिया में, एक ऐसी सोच को दर्शाते हैं जो तात्कालिक राजनयिक प्रभाव पर केन्द्रित है, न कि दीर्घकालिक दृष्टिकोण पर। सेवानिवृत्त विदेश सेवा अधिकारी ने कहा, "नीति कमजोर और असंगत प्रतीत होती है तथा इसमें दीर्घकालीन सोच का अभाव है। एक ऐसे क्षेत्र में, जहाँ कभी भारत को एक गैर-पक्षपाती और सम्मानित आवाज के रूप में देखा जाता है था। वहाँ आज हम वॉशिंगटन की राह पर चलने वाले द्वितीयक खिलाड़ी रहे हैं।"

ईरान-इज़रायल तनाव के जवाब में भारत की चुप्पी और पहल की कमी, विशेष रूप से हताहत नागरिकों की बढ़ती संख्या और क्षेत्रीय अस्थिरता के बीच, ने उसकी नैतिक और कूटनीतिक छवि को और नुकसान पहुँचाया है। पहले के समय में, नई दिल्ली को वैश्विक संघर्षों पर अपने सैद्धांतिक रूख और बाहरी दबावों के बावजूद, शांति व कूटनीति की वकालत करते रहने के लिए जाना जाता था। वह विरासत अब मुरझाती दिख रही है।

प्रधानमंत्री मोदी की हालिया कैनडा यात्रा, जहाँ उन्होंने जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लिया, भी आलोचना का विषय बनी। कूटनीतिक हलकों में माना जा रहा है कि इस यात्रा से भारत को, विशेष रूप से ऊर्जा सुरक्षा और संघर्ष समाधान के मामलों में, कोई ठोस लाभ नहीं मिला। इसी बीच, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा दक्षिण एशिया के मामलों में मध्यस्थता का बार-बार किये जाने वाला दुराग्रह भी भारत के रणनीतिक हलकों में नाराज़गी का कारण बना हुआ है, जिसे कुछ लोग क्षेत्रीय नेतृत्व में भारत की भूमिका की उपेक्षा करने की कोशिश मान रहे हैं।

जैसे-जैसे ईरान-इराक संघर्ष गहराता जा रहा है, भारत की नीतिगत पंगुता तथा कमज़ोरी, उसे ऊर्जा, तथा व्यापारिक हितों के साथ-साथ, अंतर्राष्ट्रीय मंच पर उसकी स्वतंत्र, संप्रभु आवाज की छवि को भी काफी नुकसान पहुँचा सकता है।

ग्राम विकास ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अनियमितता के आरोप में गत 24 अप्रैल को विकास अधिकारी ने अपीलार्थी के खिलाफ काम की लागत राशि की रिकवरी निकाल दी। इसे चुनौती देते हुए कहा गया की रिकवरी आदेश जारी करने से पहले न तो अपीलार्थी को नोटिस दिया और ना ही उसे सुनवाई का मौका ही मिला। यह प्राकृतिक न्याय के प्रावधानों की अवहेलना है।

अपील में आगे कहा गया कि गांव में विकास कार्य 12 साल पहले करवाए गए थे, जिनकी यूसी और सीसी भी जमा करवा दी थी। निर्माण कार्य के लिए करीब 10 लाख रुपए मंजूर किए थे, लेकिन काम केवल 5 लाख रुपए में हुआ और इतनी ही राशि का भुगतान किया गया था। जबकि रिकवरी राशि की गणना 10 लाख रुपए के आधार पर निकाली गई है। ऐसे में रिकवरी आदेश को रद्द किया जाए।

मामले की सुनवाई करते हुए अधिकरण ने रिकवरी आदेश पर रोक लगाते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

'यूपी में सपा के साथ मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ेगी कांग्रेस'

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने यह भी कहा कि पंचायत चुनाव कांग्रेस अपने बल पर लड़ेगी

इटावा, 21 जून। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी 2026 का पंचायत का चुनाव उत्तर प्रदेश में अपने बलबूते पर लड़ेगी लेकिन 2027 विधानसभा का चुनाव समाजवादी पार्टी व कांग्रेस मिलकर लड़ेंगी और उत्तर प्रदेश में सरकार बनाने का भी काम करेगी।

इटावा जिले के बसरेहर में कांग्रेस पार्टी के सम्मेलन को संबोधित करने के बाद कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि मथुरा कॉरिडोर के नाम पर मथुरा की आत्मा को योगी सरकार नष्ट करने में जुटी हुई है, बेशक मथुरा से भाजपा की संसद मथुरा कॉरिडोर की तारीफ कर रही हो लेकिन उनको कुंज गलियों की ऐतिहासिकता के बारे में कुछ भी नहीं पता है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने इटावा के बसरेहर ब्लॉक में कार्यकर्ताओं के बीच पहुंचकर पार्टी की नीतियों और रणनीति को लेकर बड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का कार्यकर्ता गांव-गांव जा करके मेहनत कर रहा हे और जनता से जुड़ रहा है। राय ने कहा कि पंचायत चुनाव कांग्रेस पार्टी पूरी ताकत से मैदान में उतरेगी और जो प्रत्याशी जीतकर आएंगे, उन्हें 2027 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का टिकट दिया जाएगा।

■ अजय राय ने कहा कि कांग्रेस संगठन चुनावों को लेकर बेहद गंभीर है। उन्होंने दावा किया कांग्रेस के सदस्यता अभियान को भारी समर्थन मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी बेशक पंचायत का चुनाव अपने बल बूते पर लड़े लेकिन 2027 का चुनाव समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर ही चुनाव लड़ेगी और उत्तर प्रदेश में सरकार बनाने का काम करेंगे।

राय कहा कि यह चुनाव पूरी तरह से कार्यकर्ताओं का है और कांग्रेस का संगठन इसे बहुत गंभीरता से ले रहा है।

उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस से बड़ी संख्या में लोग जुड़ रहे हैं और सदस्यता अभियान को भारी समर्थन मिल रहा है।

उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि मोदी ने बनारस में कॉरिडोर बनाकर धार्मिक आस्था के नाम पर कारोबार खडा कर दिया, मॉल बना दिया और अब वृंदावन को भी उसी दिशा में ले जा रहे हैं। उन्होंने चेताया कि मथुरा, वृंदावन की ऐतिहासिक कुंज गलियां अगर नष्ट हो गईं तो वहां की पहचान मिट जाएगी।

मथुरा की सांसद हेमा मालिनी पर भी निशाना साधते हए कहा कि वह कभी कुंज गलियों गई ही नहीं हैं, इसलिए उन्हें वहां की सच्चाई का कोई ज्ञान नहीं है। उन्होंने कहा कि वृंदावन की आत्मा को नष्ट किया जा रहा है और हेमा मालिनी इस बार चुनाव में नौ-दो ग्यारह हो जाएंगी। कौशांबी में हुई घटना का जिक्र करते हुए राय ने कहा कि वहां पीड़ित पक्ष को डराया-धमकाया गया। उन्हें धमकी दी गई कि अगर उन्होंने कांग्रेस नेताओं से संपर्क किया तो उनके बेटों को जेल भेज दिया जाएगा।

पुलिस बदले की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रखा था। दोनों नेताओं को हिरासत में लेते देख कुछ छात्र कैंपस में हंगामा करने लगे। हालांकि पुलिस की गाड़ी के पहुंचने के बाद मामला शांत हो गया।

घटना के बाद विधायक अभिमन्यु पूनिया, मुकेश भाकर, राम निवास गावाड़िया, पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर, अनिल चौपड़ा शनिवार दोपहर पुलिस कमिश्नरेट पहुंचे। यहां कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ से मिलकर कार्रवाई को गलत बताया। उधर डीसीपी ईस्ट ने कहा कि अभिमन्यु पूनिया को पुलिस ने हिरासत में नहीं लिया है। वो निर्मल चौधरी के साथ खुद ही गाड़ी में जबरन घुस गए। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्विनी गौतम ने बताया कि निर्मल चौधरी के खिलाफ साल 2022 में राजकार्य में बाधा डालने का मुकदमा दर्ज था। इसमें अपराध प्रमाणित पाए जाने पर उनके खिलाफ पुलिस को एक्शन लेना था, आज पुलिस ने उन्हें डिटेन कर लिया है। कुछ देर में उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। विधायक अभिमन्यु पूनिया को पुलिस लेकर नहीं आई है। वह खुद निर्मल को बचाने के कारण गाड़ी में बैठ गए थे। गांधी नगर थाने से विधायक अपने आवास पर चले गए थे। विधायक अभिमन्यु पूनिया ने कहा कि "राजस्थान यूनिवर्सिटी के एग्ज़ाम हॉल से छात्र नेता निर्मल चौधरी और मुझे पुलिस वालों ने ऐसे पकड़ा जैसे हम अपराधी हों। मुझे छोड़ दिया, निर्मल अभी भी पुलिस हिरासत में हैं। सिविल वर्दी में आए पुलिस वालों का बर्ताव गुंडागर्दी वाला था। वर्ष 2022 के मामले में गिरफ्तारी की क्या जरूरत थी? कल सरकार के साथ बातचीत में यह तय हुआ था कि डॉ. राकेश विश्नोई को न्याय दिलाने के आंदोलन में रास्ता रोकने सहित किसी मामले में कोई केस दर्ज नहीं किया जाएगा। बातचीत के 12 घंटे बाद ही मुझे और निर्मल चौधरी को गिरफ्तार कर लिया गया। हम पुलिस कमिश्नर से मिलेंगे। इस तरह का बर्ताव गलत है। यह साफ तौर पर वादाखिलाफी है।" अभिमन्यु पूनिया ने कहा कि छात्र पर इस तरह से पुलिस की कार्रवाई गलत है। गलत तरीके से निर्मल को गिरफ्तार किया गया है। पहले के मामले में इस तरह का एक्शन लेना सही नहीं, वो भी तब जब छात्र परीक्षा देने गया हुआ हो। पुलिस के एक्शन से क्लास में भी हड़कंप मच गया था।

चुनाव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आयोग के लिए मतदाताओं की निजता की रक्षा करना और मतदान की गोपनीयता बनाये रखना कानूनी बाध्यता है और आयोग इसके लिए प्रतिबद्ध है। इसलिए मतदान केंद्र की वीडिया फुटेज किसी व्यक्ति, उम्मीदवार या गैर सरकारी संगठन और तीसरे पक्ष को मतदाताओं की स्पष्ट सहमति के बिना नहीं दी जा सकती है।

अमेरिका में जनभावना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उनके काफी संदेह है, विशेषकर मध्य पूर्व में, जहां सैन्य हस्तक्षेप के परिणाम अक्सर अस्थिर और अनिश्चित रहे हैं। वर्ष 2021 में अफगानिस्तान से आनन-फानन में अमेरिकी सैन्य वापसी इस सोच का एक निर्णायक मोड़ बन गया, जिससे यह धारणा मजबूत हुई कि अमेरिकी हस्तक्षेप अक्सर लंबे और उद्देश्यहीन संघर्षों में बदल जाता है।

इस सर्वेक्षण का विश्लेषण दोनों दलों की हिचकिचाहट को दर्शाता है। परंपरागत रूप से अधिक आक्रामक माने जाने वाले रिपब्लिकन भी अब इस क्षेत्र में एक और युद्ध को लेकर हिचकिचाहट जता रहे हैं, विशेषकर ईरान जैसे देश के खिलाफ, जिसके पास असममित सैन्य क्षमताएं और पूरे मध्य पूर्व में फैले प्रॉक्सी आतंकी संगठन हैं। डेमोक्रेट्स और निर्दलीयों में तो यह विरोध और भी प्रबल है, जहाँ मानवीय नुकसान, वित्तीय बोझ और क्षेत्रीय या वैश्विक युद्ध की आशंका प्रमुख कारण हैं। इस व्यापक विरोध के पीछे कई कारण हैं। पहला, अमेरिकी जनता का फोकस इस समय घरेलू मुद्दों, जैसे आर्थिक अनिश्चितता, स्वास्थ्य सेवा, मुद्रास्फीति और सीमा सुरक्षा पर है, जिन्हें वे किसी विदेशी युद्ध की तुलना में अधिक प्राथमिकता देते हैं। दूसरा, अमेरिकी लोगों की जान की कीमत पर इज़रायल की रक्षा करने की सार्वजनिक इच्छा बहुत कम है, खासकर जब इज़रायल के पास स्वयं की अत्याधुनिक सैन्य और वायु-रक्षा क्षमताएं मौजूद हैं।

इसके अलावा, सैन्य हस्तक्षेप की प्रभावशीलता को लेकर भी बढ़ रही शंका है। ईरान के व्यापक प्रॉक्सी नेटवर्क, जैसे लेबनान में हिज़्बुल्ला, इराक में शिया मिलिशिया, और यमन में हाउथी विद्रोही, का मतलब है कि किसी भी अमेरिकी कार्रवाई से यह संघर्ष कई मोर्चों वाला युद्ध बन सकता है। बहुत से अमेरिकी आशंका जताते हैं कि इससे अमेरिका एक और लंबे युद्ध में फंस सकता है, जिसे जितना नामुमकिन है, जैसा कि वियतनाम या 9/11 के बाद हुआ।

जनमत में यह बदलाव पीढ़ियों के बीच अंतर को भी दर्शाता है। विशेष रूप से जनरेशन ज़ैड और इक्कीसवीं सदी में जन्मे योग युद्ध, विरोधी रुख के सबसे बड़े प्रतिनिधि हैं। वे अक्सर सैन्य, औद्योगिक तंत्र की आलोचना करते हैं और कूटनीति तथा संघर्ष की रोकथाम को प्राथमिकता देते हैं। इनके विचार सोशल मीडिया से ज्यादा प्रभावित है, जिनमें कई प्रकार के कथानक चलते हैं, जैसे अमेरिकन विदेश नीति की आलोचना और युद्ध से पीड़ित लोगों के प्रति सहानुभूति।

हालाँकि अमेरिका ने इज़रायल की सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है और अपने नौसैनिक बेड़े को इस क्षेत्र में तैनात किया है, लेकिन उसने अब तक सीधे सैन्य दखल से परहेज़ किया है। वॉशिंगटन ने इसके बजाय कूटनीतिक स्तर पर तनाव कम करने पर ध्यान केंद्रित किया है, ईरान को रोकने के लिए सहयोगियों के साथ काम करते हुए, इज़रायल पर संयम बरतने का दबाव डाला है। यह ताजा सर्वेक्षण केवल एक विशिष्ट संघर्ष के प्रति विरोध नहीं दर्शाता, बल्कि यह संकेत देता है कि अमेरिकी जनता अब वैश्विक सैन्य मामलों में अपने देश की भूमिका को नए सिरे से देख रही है। संदेश स्पष्ट है: युद्ध से ऊब चुकी और घरेलू पुनर्निर्माण पर केंद्रित अमेरिकी जनता अब मध्य पूर्व में एक लम्बे सैन्य संघर्ष में फंसने की बजाय शांति चाहती है।

मुख्यमंत्री भजनलाल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा बल के जांबाज़ हर तरह की परिस्थितियों में अडिग रहकर दिन-रात हमारी सीमाओं की रक्षा में तत्पर रहते हैं। सीमाओं की सुरक्षा के साथ ही कानून व्यवस्था, अपराध की रोकथाम, सामाजिक समरसता बनाए रखने और आपदा प्रबंधन में बीएसएफ के जांबाज़ हर मोर्चे पर मुस्तैदी से डटे रहते हैं। मुख्यमंत्री ने मां तनोट राय मंदिर परिसर में सीमा सुरक्षा बल के जवानों के साथ संवाद भी किया। उन्होंने बीएसएफ के जवानों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारे वीर जवानों ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुश्मन के छक्के छुड़ाकर हम सबको गौरवान्वित किया है। बीएसएफ और सेना ने ऑपरेशन सिंदूर में दुनिया के सामने बहादुरी का एक अद्वितीय उदाहरण पेश किया है। इस अवसर पर विधायक छोटू सिंह भाटी, संभागीय आयुक्त डॉ. प्रतिभा सिंह, जोधपुर रेंज आई.जी. विकास कुमार, सीमा सुरक्षा बल राजस्थान फ्रंटियर के महानिरीक्षक एम.एल.गर्ग, उप महानिरीक्षक सेक्टर नॉर्थ वाई.एस.राठौड़, पूर्व विधायक शैतानसिंह राठौड़, समाजसेवी नखतसिंह भाटी, कंवराजसिंह चौहान सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बीएसएफ के जवान उपस्थित थे।

नीरज चोपड़ा ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इससे पहले नीरज ने मई में दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर का थ्रो कर न केवल अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ दूरी फेंकी थी, बल्कि भारतीय राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी तोड़ा था। हालांकि उस प्रतियोगिता में जूलियन वेबर ने 91.06 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो कर उन्हें दूसरे स्थान पर धकेल दिया था।

'ईरान, भारत का पुराना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इज़रायली-फिलिस्तीनी शांति प्रयासों को बड़ा झटका लगा।

इस पृष्ठभूमि में, यह आश्चर्य की बात नहीं है कि नेतन्याहू वार्ता पर टकराव को तरजीह देंगे। लेकिन जो बात सबसे ज्यादा अफ़सोसजनक है, वह है अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप का व्यवहार, उन्होंने कभी अमेरिका के अनेकों युद्धों में लिप्त होने और सैन्य-औद्योगिक गठजोड़ की आलोचना की थी। पर अब वही इस विनाशकारी राह पर चलते दिख रहे हैं। वे खुद कई बार यह स्वीकार कर चुके हैं कि इराक के पास सामूहिक विनाश के हथियार होने के झूठे दावों के कारण एक विनाशकारी युद्ध शुरू हुआ, जिससे पूरा क्षेत्र अस्थिर हो गया।

सोनिया गांधी ने कहा कि इसलिए 17 जून को ट्रंप द्वारा अपनी ही खुफिया प्रमुख की रिपोर्ट को नकारते हुए यह दावा करना कि ईरान "परमाणु हथियार प्राप्त करने के बहुत करीब" है, अत्यंत निराशाजनक है। दुनिया को ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो तथ्यों पर आधारित हो, कूटनीति से प्रेरित हो, न कि ताकत और झूठ पर चले।

सोनिया ने कहा, क्षेत्र के जटिल इतिहास को देखते हुए, परमाणु-सशस्त्र ईरान को लेकर इज़रायल की सुरक्षा चिंताओं को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता। लेकिन, दोहरी नीतियों की कोई जगह नहीं हो सकती। इज़रायल स्वयं एक परमाणु हथियार संपन्न देश है और उसका अपने पड़ोसियों के खिलाफ आक्रामक सैन्य कार्यवाहियों का लंबा इतिहास रहा है।

सोनिया गांधी ने कहा कि इसके विपरीत ईरान परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) का हस्ताक्षरकर्ता है और 2015 में हुए संयुक्त समग्र कार्य योजना के तहत उसने यूरेनियम संवर्धन पर सख्त सीमाएं स्वीकार की थीं, बदले में उसे प्रतिबंधों में राहत मिली थी। इस समझौते को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पाँच स्थायी सदस्य, जर्मनी और यूरोपीय संघ का समर्थन प्राप्त था, और अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों ने इसकी पुष्टि भी की थी, जब तक कि अमेरिका ने 2018 में इसे एकतरफा रूप से छोड़ नहीं दिया। उस निर्णय ने वर्षों की मेहनत से बनी कूटनीतिक प्रक्रिया को नष्ट कर दिया और क्षेत्र की नाज़ुक स्थिरता पर एक बार फिर संकट खड़ा कर दिया। भारत ने भी इस कूटनीतिक विघटन का असर सहा। ईरान पर दोबारा लगाए गए प्रतिबंधों ने भारत की रणनीतिक और आर्थिक परियोजनाओं को गंभीर रूप से प्रभावित किया है, जिनमें इन्टरनैशनल नॉर्थ साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर और चाबहार बंदरगाह का विकास शामिल है, जो मध्य एशिया से संपर्क और अफगानिस्तान तक सीधी पहुँच का बड़ा अवसर प्रदान करते हैं।

ईरान भारत का एक पुराना और भरोसेमंद मित्र रहा है, जो हमारे साथ गहरे सभ्यतागत संबंधों से बंधा है। ईरान ने हमेशा भारत का साथ दिया है, विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर। वर्ष 1994 में, ईरान ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग में भारत के खिलाफ प्रस्ताव को रोकने में मदद की थी। वास्तव में, ईरानी इस्लामी गणराज्य, अपने पूर्ववर्ती शाही शासन की तुलना में, जो 1965 और 1971 के युद्धों में पाकिस्तान की ओर झुका हुआ था, भारत के प्रति अधिक सहयोगी रहा है।

इसी बीच, भारत और इज़राइल ने भी हाल के दशकों में रणनीतिक संबंध विकसित किए हैं। इस अनोखी स्थिति में भारत की नैतिक जिम्मेदारी और कूटनीतिक क्षमता दोनों हैं कि वह शांति और तनाव-निवारण के लिए पुल का काम करे। यह केवल एक सैद्धांतिक बात नहीं है, लाखों भारतीय नागरिक पश्चिम एशिया में रहते और काम करते हैं, जिससे इस क्षेत्र में शांति भारत के लिए एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय हित का मसला बन जाता है।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908